मान्ट्रियल मास्टर्स : बेन शेल्टन चौथे दौर में पहुंचे, ग्रिक्सपूर ने अरनाल्डी को हराया

मान्ट्रियल

अमेरिका के पांचवीं वरीयता प्राप्त बेन शेल्टन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बेल्जियम के जिजो बर्ग्स को सीधे सेटों में हराकर मान्ट्रियल मास्टर्स 2026 के चौथे दौर में प्रवेश कर लिया। शेल्टन ने खेले गए मुकाबले में बर्ग्स को 6-3, 6-2 से शिकस्त दी।

23 वर्षीय शेल्टन ने मुकाबले में आठ ऐस लगाए और दूसरे सेट में तीन बार बिना कोई अंक गंवाए गेम जीते। उन्होंने महज 65 मिनट में मुकाबला अपने नाम किया। टूर्नामेंट में पांचवीं वरीयता प्राप्त शेल्टन अब बचे हुए खिलाड़ियों में सबसे ऊंची रैंकिंग वाले खिलाड़ी हैं।

शेल्टन ने कहा, मेरे लिए यह अच्छा दिन था। मैंने मैच को अच्छी तरह संभाला। उन्होंने शुरुआत में बेहद अच्छी सर्विस की, इसलिए मुझे कुछ बदलाव करने पड़े। मैंने उनकी सर्विस तोड़ने का तरीका ढूंढ लिया और बढ़त मिलने के बाद दबाव बनाए रखा।

क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए शेल्टन का सामना ब्राजील के युवा खिलाड़ी जोआओ फोंसेका से होगा। फोंसेका ने नौवीं वरीयता प्राप्त नार्वे के कैस्पर रूड को 7-6 (8/6), 6-3 से हराया।

ग्रिक्सपूर ने अरनाल्डी को किया बाहर

इस बीच, नीदरलैंड के टैलोन ग्रिक्सपूर ने इटली के माटेओ अरनाल्डी को तीन सेटों के संघर्ष में 3-6, 6-4, 6-3 से हराकर चौथे दौर में जगह बनाई।

ग्रिक्सपूर ने इससे पहले शीर्ष वरीयता प्राप्त और फ्रेंच ओपन चैंपियन अलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराकर बड़ा उलटफेर किया था। अरनाल्डी ने शुरुआती सेट में दबदबा बनाया, लेकिन ग्रिक्सपूर ने स्वीडिश कोच थामस हागस्टेड की सलाह के बाद मुकाबले में वापसी की।

विश्व रैंकिंग में 66वें स्थान पर काबिज ग्रिक्सपूर ने निर्णायक सेट में दो बार अरनाल्डी की सर्विस तोड़ी। हालांकि उन्होंने एक ब्रेक गंवा दिया, लेकिन तुरंत वापसी करते हुए तीसरे मैच प्वाइंट पर जीत दर्ज की। मुकाबला दो घंटे से अधिक चला।

ग्रिक्सपूर ने कहा, टेनिस बहुत मुश्किल खेल है। जब तक आखिरी गेंद नहीं खेली जाती, तब तक मुकाबला खत्म नहीं होता। मैंने अपना ध्यान बनाए रखने की कोशिश की और जिस तरह से मैंने मैच संभाला, उससे खुश हूं।

उन्होंने कहा, अभ्यास में मेरा स्तर अच्छा रहा है, लेकिन मैं उसे मैच में नहीं बदल पा रहा था। आज आसान नहीं था, लेकिन ऐसी जीत के बाद खुशी है। मैं अपने सर्वश्रेष्ठ स्तर से काफी दूर था, फिर भी मैच में खुद को बनाए रखा और जीत हासिल की।

अब ग्रिक्सपूर का सामना क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए स्पेन के डेनियल मेरिडा से होगा। मेरिडा ने अमेरिका के एलेक्स माइकेल्सन को 6-4, 6-7 (4/7), 6-1 से हराया। दूसरे सेट में मेरिडा ने दो मैच प्वाइंट बचाए।

मेरिडा ने इस सप्ताह से पहले टूर स्तर पर हार्ड कोर्ट पर कभी कोई मैच नहीं जीता था। वह पिछले महीने क्रोएशिया में उमाग क्ले कोर्ट खिताब जीतने के बाद कनाडा पहुंचे हैं।

न्यूज ब्रीफ

विश्व अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप: 400 मीटर फाइनल में आठवें स्थान पर रहे मोहम्मद अशफाक

यूजीन, ओरेगन। भारत के मोहम्मद अशफाक विश्व अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरुषों की 400 मीटर दौड़ के फाइनल में आठवें स्थान पर रहे। फाइनल में अशफाक ने 46.20 सेकंड का समय निकाला। दूसरी लेन में दौड़ रहे अशफाक ने तेज शुरुआत की और कुछ समय तक शीर्ष पांच खिलाड़ियों में बने रहे। हालांकि, अंतिम चरण में उनकी रफ्तार थोड़ी धीमी पड़ गई और वह आठवें स्थान पर रहे। अमेरिका के जेडेन डीलियोन ने 44.47 सेकंड के चैंपियनशिप रिकार्ड समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। उनके हमवतन क्विंसी विल्सन ने 44.62 सेकंड के साथ रजत, जबकि दक्षिण अफ्रीका के लीनर्ड कोएकेमोर ने 44.96 सेकंड के समय के साथ कांस्य पदक हासिल किया। यह विश्व अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप के इतिहास में पहली बार है जब पुरुषों की 400 मीटर फाइनल में तीनों पदक विजेताओं ने 45 सेकंड से कम समय निकाला। अशफाक ने बनाया था राष्ट्रीय रिकार्ड अशफाक ने प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में पहुंचने से पहले अंडर-20 राष्ट्रीय रिकार्ड भी तोड़ा था। 19 वर्षीय भारतीय धावक ने हीट-5 में 45.81 सेकंड का समय निकालकर दूसरा स्थान हासिल किया और सेमीफाइनल में जगह बनाई। इस प्रदर्शन के साथ उन्होंने अपना ही 46.05 सेकंड का पिछला राष्ट्रीय रिकार्ड तोड़ा था, जो उन्होंने अप्रैल में बेंगलुरु में अंडर-20 फेडरेशन कप में बनाया था। सेमीफाइनल की हीट-3 में अशफाक ने 46.00 सेकंड का समय निकालकर तीसरा स्थान हासिल किया और फाइनल के लिए क्वालीफाई किया था।

जमशेदपुर एफसी के खिलाड़ियों ने टाटा समूह से टीम भंग करने के फैसले पर पुनर्विचार करने कहा

कोलकाता। जमशेदपुर एफसी के इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) से हटने और अपनी सीनियर टीम को भंग करने के फैसले से भारतीय फुटबाल जगत सदमें में है। इस घोषणा के बाद से ही क्लब के खिलाड़ी हताश हैं और उन्होंने टाटा समूह से अपने फैसले पर फिर से विचार करने की अपील की है। खिलाड़ियों के अनुसार ये कदम केवल एक टीम के बंद होने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसका सीधा प्रभाव भारतीय फुटबाल के भविष्य के साथ ही उभरती हुई प्रतिभाओं पर पड़ेगा। भविष्य और अनगिनत युवा खिलाड़ियों के सपनों पर पड़ेगा। गौतरतलब है कि जमशेदपुर एफसी ने इस हाल ही में कहा था कि वह 4 सितंबर से शुरू होने वाले सुपर लीग सत्र में भाग नहीं लेगी। यह घोषणा क्लब द्वारा लीग भागीदारी शुल्क जमा करने की तय समय सीमा निकल जाने के कुछ ही समय बाद की गई थी। इस फैसले के साथ ही क्लब की सीनियर टीम को भंग करने की भी घोषणा कर दी गयी जिससे खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ के भविष्य पर संशय के बादल छा गये हैं। इस फैसले से निराश क्लब के अनुभवी मिडफील्डर प्रणय हल्दर ने कह कि उन्हें टाटा समूह से ऐसी उम्मीदें नहीं थी। उन्होंने बेहद भावुक अपील करते हुए कहा, यह मेरे लिए बेहद हैरान करने वाली खबर थी।

लंबे प्रारुप में खेलने की तैयारी में लगे वैभव, आरआर अकादमी में कर रहे अभ्यास

नागपुर। उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी अब लाल गेंद क्रिकेट में क्रिकेट में जगह बनाने के लिए नागपुर के पास तलेगांव स्थित राजस्थान रायल्स (आरआर) अकादमी में अभ्यास कर रहे हैं। इस अकादमी का अपना सेंटर आफ एक्सीलेंस भी है जिसमें वैभव लंबे प्रारुप के अनुसार अपने को ढ़ालने में लगे हैं। वैभव ये अभ्यास सहायक कोच विक्रम राठौर की देखरेख में कर रहे हैं। वैभव के साथ ही कई अन्य उभरते हुए क्रिकेटर भी इसमें अभ्यास कर रहे हैं। वैभव ने अब तक सीमित ओवरों के टी20 प्रारुप में ही खेला है। 15 आईपीएल में आक्रामक बल्लेबाज के बाद उन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी अवसर मिला। आईपीएल की तरह ही उन्होंने टी20 प्रारुप में भी जमकर रन बनाये। वैभव का कहन है कि उसे लंबे प्रारुप में भी खेलने में कोई परेशानी नहीं है। वैभव के अनुसार वह इस प्रारुप में भी सीमित ओवरों जितना ही सहज हैं। वर्तमान में फ्रेंचाइजी ने 10 दिन का विशेष कैंप आयोजित किया है, जिसमें वैभव के अलावा तुषार देशपांडे, संदीप शर्मा, शुभम दुबे, रवि सिंह और सुशांत मिश्रा जैसे उभरते खिलाड़ी अपना कौशल निखारने में लगे हैं।

विश्व अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप : पूजा ने ऊंची कूद के फाइनल में बनाई जगह, लंबी कूद में दो भारतीय पदक की दौड़ में

यूजीन, ओरेगन

भारत की पूजा ने विश्व अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप के तीसरे दिन महिलाओं की ऊंची कूद के फाइनल में जगह बना ली। राष्ट्रीय रिकार्डधारी पूजा ने 1.79 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाकर पदक दौर में प्रवेश किया। सीधे क्वालीफिकेशन के लिए 1.84 मीटर का मानक निर्धारित था, लेकिन कोई भी एथलीट इसे पार नहीं कर सकी। ऐसे में 1.79 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाने वाली सभी 12 एथलीट फाइनल में पहुंचीं। पूजा ने इसी साल हरियाणा की इस युवा एथलीट ने एशियाई अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 1.93 मीटर की छलांग लगाकर 14 साल पुराना सीनियर राष्ट्रीय रिकार्ड तोड़ा था। यह रिकार्ड पहले सहाना कुमारी के नाम था। पूजा ने उस प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक भी जीता था।

लंबी कूद में दो भारतीय फाइनल में

पुरुषों की लंबी कूद में भारत के शाहनवाज खान और आर.सी. जितिन अर्जुनन ने भी फाइनल में जगह बना ली। दोनों खिलाड़ी सीधे क्वालीफिकेशन के लिए निर्धारित 7.75 मीटर का मानक हासिल नहीं कर सके, लेकिन शीर्ष-12 में रहने के कारण पदक दौर में पहुंच गए।

शाहनवाज ने 7.73 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाकर ग्रुप-ए में चौथा और कुल मिलाकर पांचवां स्थान हासिल किया। वहीं जितिन अर्जुनन ने 7.57 मीटर की छलांग के साथ ग्रुप-ए में सातवां और कुल 12वां स्थान हासिल किया।

नियम के अनुसार 7.75 मीटर का सीधे क्वालीफिकेशन मानक हासिल करने वाले या दोनों ग्रुपों में कुल शीर्ष 12 में रहने वाले एथलीट फाइनल के लिए क्वालीफाई करते हैं।

महिलाओं की भाला फेंक स्पर्धा में भारत की पूनम फाइनल में जगह बनाने से मामूली अंतर से चूक गईं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रयास 48.81 मीटर रहा, जिससे वह कुल 13वें स्थान पर रहीं।

फाइनल में पहुंचने के लिए निर्धारित सीधे क्वालीफिकेशन मानक 52.50 मीटर था। अंतिम क्वालीफिकेशन स्थान हासिल करने वाली नीदरलैंड की जोली बारवेल्ड्ट ने 49.08 मीटर का सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया और पूनम से आगे निकल गईं।

विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप : आशीष यादव ने भाला फेंक में जीता रजत, भारत को विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप 2026 में मिला पहला पदक

यूजीन, ओरेगन। भारत के आशीष यादव ने विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप 2026 में पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में रजत पदक जीतकर देश का खाता खोला। आशीष ने फाइनल में 74.09 मीटर का सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया। आशीष ने अपने तीसरे प्रयास में 74.09 मीटर भाला फेंककर पोडियम स्थान सुनिश्चित किया। वह विश्व अंडर-20 चैंपियनशिप में भाला फेंक में पदक जीतने वाले दूसरे भारतीय बन गए हैं। उनसे पहले नीरज चोपड़ा ने 2016 में स्वर्ण पदक जीता था। दक्षिण अफ्रीका के जान-हेन्ड्रिक हेमन्स ने 80.50 मीटर के शानदार प्रयास के साथ स्वर्ण पदक जीता। यह इस सत्र में किसी अंडर-20 खिलाड़ी का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। हेमन्स ने अपने पहले ही प्रयास में बढ़त हासिल कर ली थी और हर राउंड के साथ अपना प्रदर्शन बेहतर करते हुए पहली बार 80 मीटर से अधिक की दूरी हासिल की। आशीष की शुरुआत हालांकि धीमी रही। उनके पहले दो प्रयास 70 मीटर की दूरी भी पार नहीं कर सके। लेकिन तीसरे प्रयास में उन्होंने लय हासिल करते हुए 74.09 मीटर की दूरी तय की और अपने करियर का सबसे बड़ा पदक अपने नाम कर लिया। कामनवेल्थ आफ डोमिनिका के एडिसन जेम्स ने 73.89 मीटर के प्रयास के साथ कांस्य पदक जीता। प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले दूसरे भारतीय टी. धरनीधरन 72.35 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ छठे स्थान पर रहे।

मेसी के संन्यास का फैसला सिर्फ उनका होगा अर्जेंटीना फुटबाल प्रमुख

ब्यूनस आयर्स

अर्जेंटीना फुटबाल संघ के अध्यक्ष क्लाउडियो चिकी तापिया ने कहा है कि दिग्गज फुटबालर लियोनेल मेसी के संन्यास का फैसला पूरी तरह उन्हीं का होगा। 2026 विश्व कप में मेसी के शानदार प्रदर्शन को देखते हुए तापिया उन्हें संन्यास के लिए जल्दबाजी में विदा करने के पक्ष में नहीं हैं।

अर्जेंटीना टीवी चैनल को दिए साक्षात्कार में तापिया ने कहा, यह पूरी तरह और व्यक्तिगत रूप से उनका फैसला है। आपको उन्हें आराम से रहने देना होगा।

उन्होंने कहा, 2022 में हमें नहीं पता था कि वह 2026 में खेलेंगे या नहीं। उन्होंने कहा था कि वह मैच दर मैच आगे बढ़ेंगे। मुझे लगता है कि हमने विश्व कप में लियो का शानदार, अगर उनका सर्वश्रेष्ठ नहीं तो बेहतरीन रूप देखा है। आपको उन्हें फुटबाल खेलने का आनंद लेते रहने देना चाहिए और उसके बाद वह वही फैसला करेंगे, जो उन्हें सही लगेगा।

24 जून को 39 वर्ष के हुए मेसी ने अंतरराष्ट्रीय फुटबाल से संन्यास लेने की कोई समयसीमा नहीं बताई है। उन्होंने यह भी संकेत नहीं दिया है कि वह इंटर मियामी के लिए और कितने समय तक खेलना जारी रखेंगे।

विश्व कप में मेसी ने फिर दिखाया दम - 2022 में अर्जेंटीना को विश्व कप खिताब दिलाने वाले मेसी के लिए 2026 विश्व कप में खेलना भी निश्चित नहीं माना जा रहा था। हालांकि, उन्होंने टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए आठ गोल और चार असिस्ट किए। अर्जेंटीना को पिछले महीने अमेरिका में खेले गए विश्व कप फाइनल में अतिरिक्त समय में स्पेन के हाथों 0-1 से हार का सामना करना पड़ा। मेसी ने इस विश्व कप के दौरान मिरोस्लाव क्लोजे के 16 गोल के विश्व कप रिकार्ड को पीछे छोड़ दिया। हालांकि फ्रांस के किलियन एमबापे ने टूर्नामेंट में कुल 22 गोल के साथ मेसी को पीछे छोड़ दिया। तापिया ने कहा, लियो का विश्व कप शानदार रहा। हमने इसका बहुत आनंद लिया और हमें गर्व महसूस करना चाहिए। मैंने उनके हर पल का आनंद लिया। इसमें कोई संदेह नहीं कि वह विश्व कप में इस टीम के अगुवा थे। अगर आप उनके विश्व कप का विश्लेषण करें तो मेरे लिए वह सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी थे। वह मैच दर मैच रिकार्ड तोड़ रहे थे।

2030 विश्व कप में 43 के होंगे मेसी - अगर मेसी 2030 विश्व कप में खेलते हैं तो स्पेन, पुर्तगाल और मोरक्को में होने वाले इस टूर्नामेंट के दौरान उनकी उम्र 43 वर्ष होगी। अर्जेंटीना, उरुग्वे और परागवे भी विश्व कप की शताब्दी के जश्न के तहत एक-एक मैच की मेजबानी करेंगे। फीफा के अनुसार, विश्व कप मैच खेलने वाले सबसे उम्रदराज गैर-गोलकीपर खिलाड़ी कैमरून के रोजर मिला हैं, जिन्होंने 42 वर्ष और 39 दिन की उम्र में विश्व कप मैच खेला था। पुर्तगाल के एक और महान खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने भी इस विश्व कप में 41 वर्ष की उम्र में हिस्सा लिया।

हाकी विश्व कप में इस बार नजर नहीं आयेगा कोई भारतीय अंपायर

नई दिल्ली। नीदरलैंड और बेल्जियम में इसी माह 15 अगस्त से शुरू रहे हाकी विश्व कप में इस बार एक भी भारतीय अंपायर नहीं दिखेगा। तीन दशकों के बाद ऐसा पहली बार होगा जब किसी भी भारतीय अंपायर या तकनीकी अधिकारी को विश्वकप के लिए नहीं रखा गया है। इससे देश में हाकी अंपायरिंग के भविष्य और गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे हैं। वहीं पूर्व अंतरराष्ट्रीय अंपायरों ने भी इसको लेकर चिन्ता जतायी है। । उनका मानना है कि अब हमें देश में घरेलू मुकाबलों में केवल अंपायरों की संख्या बढ़ाने की जगह पर उनकी गुणवत्ता और अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर पर भी ध्यान देना होगा। गौरतलब है कि साल साल 1998 में नीदरलैंड में हुए विश्व कप के बाद से यह पहला अवसर होगा जब टूर्नामेंट में किसी भारतीय का नाम शामिल नहीं है। वहीं यूरोपीय देशों के काफी अंपायरों को इमसें जगह मिली है। इसमें चयन के लिए प्रदर्शन में निरंतरता और अनुभव महत्वपूर्ण हैं, और यहीं पर अब भारतीय अंपायर पिछड़ रहे हैं। हाकी इंडिया के पास भले ही अंपायरों की चार श्रेणियों में पुरुष वर्ग में 100 से अधिक और महिला वर्ग में 70 से अधिक अंपायर हैं पर एफआईएच पैनल में सक्रिय भारतीय अंपायरों की संख्या बेहद कम है।

थाम्पसन की घातक गेंदबाजी से बांग्लादेश 54 रन पर ढेर आस्ट्रेलिया एकादश ने पारी और 38 रन से दर्ज की जीत

डार्विन

बाएं हाथ के तेज गेंदबाज कैंपबेल थाम्पसन की कहर बरपाती गेंदबाजी के दम पर क्रिकेट आस्ट्रेलिया एकादश ने बांग्लादेश को अभ्यास मैच में पारी और 38 रन से हरा दिया। आस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला शुरू होने से सिर्फ पांच दिन पहले बांग्लादेश की दूसरी पारी महज 54 रन पर सिमट गई।

दक्षिण आस्ट्रेलिया के 22 वर्षीय तेज गेंदबाज थाम्पसन ने 11 ओवर में 25 रन देकर आठ विकेट झटके और बांग्लादेश की बल्लेबाजी को लगभग अकेले ही तहस-नहस कर दिया। थाम्पसन के इस प्रदर्शन ने मेहमान टीम की तैयारियों पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

थाम्पसन ने मैच के दूसरे दिन के आखिर में दो विकेट लेकर बांग्लादेश की दूसरी पारी का स्कोर 2 विकेट पर 19 रन कर दिया था। इसके बाद उन्होंने छह और विकेट झटकते हुए बांग्लादेश की पूरी पारी को 54 रन पर समेट दिया।

थाम्पसन ने मैच के बाद कहा, खत्म करने के लिए मेरा स्पष्ट तरीका था—नई गेंद का इस्तेमाल करना, उसे स्विंग कराना और स्टंप पर गेंदबाजी करना। मैं भाग्यशाली रहा कि कुछ विकेट मिल गए।

उन्होंने कहा, दूसरी पारी में हमें पहली पारी की तुलना में थोड़ी छोटी लेंथ पर गेंदबाजी करनी थी। इसलिए गेंद को थोड़ा पीछे खींचकर स्टंप के ऊपरी हिस्से को निशाना बनाना और अपनी प्रक्रिया को स्पष्ट रखना मुख्य लक्ष्य था।

थाम्पसन ने कहा, मुझे लगता है कि मैं नई गेंद से गेंदबाजी करने वाला गेंदबाज हूं। इसलिए मैं गेंद को स्विंग कराने और स्टंप पर निशाना लगाने की कोशिश करता हूं और इस बार मैं भाग्यशाली रहा। थाम्पसन हाल ही में हैमस्ट्रिंग की चोट से उबरकर वापसी कर रहे हैं। उनके नाम अभी केवल एक प्रथम श्रेणी मैच है, लेकिन इस शानदार प्रदर्शन के साथ उन्होंने टीम में अपने चयन को सही साबित किया।

आस्ट्रेलिया एकादश की जीत में आफ स्पिनर कोरी रोकिचियोली ने भी अहम भूमिका निभाई। उन्होंने पहली पारी में छह विकेट लिए थे और दूसरी पारी में भी चार ओवर में सिर्फ छह रन देकर दो विकेट हासिल किए। इससे पहले टेग वायली ने 130 रन की शानदार पारी खेलकर आस्ट्रेलिया एकादश को मजबूत स्थिति में पहुंचाया था। थाम्पसन और रोकिचियोली की शानदार गेंदबाजी ने टीम को यादगार जीत दिला दी।

मैच का संक्षिप्त स्कोर:

क्रिकेट आस्ट्रेलिया एकादश 355 रन (टेग वायली 130, डेविड डोरान 76, जेम्स पैटरसन 53; महमूद 4/42) ने बांग्लादेश 263 रन (मेहदी हसन मिराज नाबाद 109; कोरी रोकिचियोली 6/83) और 54 रन (कैंपबेल थाम्पसन 8/25) को पारी और 38 रन से हराया।

एंड्रयू फ्लिंटाफ ने छोड़ा इंग्लैंड लायंस के कोच का पद, सिडनी थंडर से जुड़े

लंदन

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एंड्रयू फ्लिंटाफ ने आस्ट्रेलिया की टी20 बिग बैश लीग में सिडनी थंडर का मुख्य कोच नियुक्त किए जाने के बाद इंग्लैंड लायंस के कोच पद से इस्तीफा दे दिया है। 48 वर्षीय फ्लिंटाफ करीब दो साल तक इंग्लैंड की दूसरी टीम लायंस के मुख्य कोच रहे। फ्लिंटाफ ने कहा कि उन्होंने लायंस के साथ अपनी जिम्मेदारी से हटने का फैसला किया है।

उन्होंने एक आधिकारिक बयान में कहा, दुर्भाग्य से, मैंने लायंस के साथ अपनी भूमिका से हटने का फैसला किया है। देश के सर्वश्रेष्ठ युवा क्रिकेटरों के साथ काम करने और उन्हें आगे बढ़ते हुए देखने का अवसर पाकर मुझे बेहद खुशी हुई और मुझे इस पर गर्व है।

उन्होंने कोचिंग स्टाफ और सहयोगी टीम के सदस्यों का भी आभार जताया। फ्लिंटाफ ने कहा, मैं सभी कोचों और स्टाफ को उनके जुनून, अथक मेहनत और हर दिन मिलने वाले सहयोग के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। विशेष रूप से एड बार्नी के साथ काम करना मेरे लिए शानदार रहा और मैं भाग्यशाली था कि वह प्रदर्शन निदेशक के रूप में मेरे साथ थे। साथ ही राब (की) का भी धन्यवाद, जिन्होंने इंग्लैंड क्रिकेट की सबसे महत्वपूर्ण भूमिकाओं में से एक की जिम्मेदारी मुझ पर भरोसे के साथ सौंपी।

उन्होंने आगे कहा, मैं साल के अंत में थंडर के साथ शुरुआत करने और यह देखने के लिए उत्साहित हूं कि कोचिंग मुझे आगे कहां ले जाती है।

23 महीने तक संभाली लायंस की जिम्मेदारी

फ्लिंटाफ ने 23 महीने तक इंग्लैंड लायंस के मुख्य कोच की भूमिका निभाई। इस दौरान उन्होंने इंग्लैंड की सीनियर सीमित ओवरों की टीम के साथ भी काम किया और 2024 टी20 विश्व कप में टीम के सहयोगी स्टाफ का हिस्सा रहे।

2005 में इंग्लैंड की एशेज जीत के प्रमुख नायकों में शामिल रहे फ्लिंटाफ ने इंग्लैंड की घरेलू द हंड्रेड प्रतियोगिता में नार्दर्न सुपरचार्जर्स को भी कोचिंग दी है।

इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड के पुरुष प्रदर्शन निदेशक एड बार्नी ने फ्लिंटाफ की तारीफ करते हुए कहा, फ्रेड (फ्लिंटाफ) ने लायंस के माहौल को बदलने में मदद की है और इसे ऐसा कार्यक्रम बनाया है, जिसका युवा खिलाड़ियों पर बड़ा प्रभाव पड़ा है।

उन्होंने कहा, ऐसा माहौल तैयार करके, जो हर समय उत्कृष्टता को समर्थन देने के साथ-साथ खिलाड़ियों को उसे हासिल करने के लिए प्रेरित करता है, उन्होंने युवा खिलाड़ियों की नई पीढ़ी को आगे लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। फ्लिंटाफ अब आस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग में सिडनी थंडर की जिम्मेदारी संभालकर अपने कोचिंग करियर का नया अध्याय शुरू करेंगे।